



सी.सी.आर.यू.एम.

न्यूजलेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 38 • अंक 1

जनवरी-मार्च 2018

यूनानी दिवस समारोह

देश ने 11 फरवरी 2018 को हकीम अजमल खान की जयंती पर उनको श्रद्धांजलि देने के लिए यूनानी दिवस मनाया। इस वर्ष हकीम अजमल खान की 150वीं जयंती होने के कारण आयुष मंत्रालय के अधीन कार्यरत यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान की शीर्ष निकाय केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने यूनानी दिवस बड़े पैमाने पर मनाया और देश की राजधानी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

यूनानी दिवस एक बहुमुखी प्रतिभा और यूनानी चिकित्सा में वैज्ञानिक अनुसंधान के संस्थापक हकीम अजमल खान के जन्मदिवस 11 फरवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2017 में यूनानी चिकित्सा में वैज्ञानिक

अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में हकीम अजमल खान के विशाल योगदान के सम्मान में उनके जन्मदिवस को यूनानी दिवस के तौर पर मनाने हेतु आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के ऐतिहासिक निर्णय के परिणामस्वरूप हुई।

इस वर्ष यूनानी दिवस समारोह में यूनानी चिकित्सा पर दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, यूनानी चिकित्सा के लिए आयुष पुरस्कार – 2017 वितरण समारोह, विशेष पोस्टल कवर और विशेष पोस्टल कैंसिलेशन का विमोचन, हकीम



डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार (दाएं से तीसरे); और (बाएं से दाएं) प्रो. अब्दुल मन्नान, उप-कुलपति, हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश; श्री रोशन जग्गी और श्री प्रमोद कुमार पाटक, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय; डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प.; श्री मसरूर अहमद खान, अध्यक्ष, हकीम अजमल खान स्मारक संस्था; और प्रो. रईस-उर-रहमान, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय 10 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में यूनानी चिकित्सा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन करते हुए।



प्रो. तलत अहमद, उप-कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (बीच में); और (बाएं से दाएं) श्री प्रमोद कुमार पाठक, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय; डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प.; हकीम सैयद खलीफतुल्ला, पूर्व उपाध्यक्ष, शासी निकाय, के.यू.चि.अ.प.; प्रो. रईस-उर-रहमान, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय; श्री सुजीत कुमार चौधरी, महा डाकपाल, दिल्ली सर्कल; और डॉ. वनिथा आर. मुरलीकुमार, अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् 11 फरवरी 2018 को नई दिल्ली में यूनानी दिवस पर विशेष पोस्टल कवर और विशेष पोस्टल कैंसिलेशन का विमोचन करते हुए।

अजमल खान की एक चित्रित जीवनी 'हकीम अजमल खान का संस्मरण' जो उनके बहुआयामी व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाती है, और के.यू.चि.अ.प. के अन्य विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन शामिल था। यूनानी चिकित्सा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले नए विकासों, हर्बल एवं प्राकृतिक उत्पादनों और स्वास्थ्य पर्यटन के प्रवर्तकों की एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् और हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश ने यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय में एक एकेडेमिक चेयर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री

(स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार, राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार ने 10 फरवरी को किया। समारोह का उद्घाटन करते हुए उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति, जो देश में एक मुख्य स्वास्थ्य चुनौती बने जीवनशैली रोगों से निपटने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, के समाकलन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों को समग्र ढंग से रोगियों की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए सहस्थापित किया जाए।

यूनानी दिवस समारोह और यूनानी चिकित्सा के लिए आयुष पुरस्कार – 2017 वितरण समारोह में प्रो. तलत अहमद, उप-कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया मुख्य अतिथि थे।

लगभग 400 के करीब राष्ट्रीय और संयुक्त राज्य अमेरिका, इजराइल, यू.के., पुर्तगाल, चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, हंगरी, यू.ए.ई., बहरैन, स्लोवेनिया के विशेषज्ञों तथा प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हकीम अजमल खान एक बहुआयामी व्यक्तित्व वाले व्यक्ति थे और स्वतंत्रता आन्दोलन, शिक्षा, साहित्य, सामाजिक सुधार और यूनानी चिकित्सा के व्यवस्थीकरण में उनका बहुत अधिक योगदान था।

यूनानी दिवस समारोह की विस्तृत रिपोर्ट पहले ही प्रकाशित के.यू.चि.अ.प. न्यूज़लेटर के विशेष अंक में पढ़ी जा सकती है। प्रिंट संस्करण अनुरोध पर उपलब्ध है जबकि सोफ्ट (मृदु) संस्करण वेबलैंक <https://bit.ly/2KdFAPA> के माध्यम से पढ़ा जा सकता है।

कै.यू.चि.अ.प. और हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (कै.यू.चि.अ.प.) ने यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के साथ ज्ञापन समझौते पर हस्ताक्षर किया। इस ज्ञापन समझौता के अन्तर्गत, हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश के यूनानी एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं सर्जरी संकाय में यूनानी चिकित्सा पद्धति के लिए एक अकादमिक चेयर स्थापित किया जाएगा।



डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, कै.यू.चि.अ.प. और प्रो. अब्दुल मन्नान, उप-कुलपति, हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश 10 फरवरी 2018 को यूनानी दिवस समारोह के अवसर पर यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन की हस्ताक्षरित प्रति का आदान प्रदान करते हुए।

डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, कै.यू.चि.अ.प. और प्रो. मोहम्मद अब्दुल मन्नान, उप-कुलपति, हमदर्द विश्वविद्यालय, बांग्लादेश ने कै.यू.चि.अ.प. द्वारा 10 फरवरी 2018 को ए.पी. शिन्दे सिम्पोजियम हॉल, एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में आयोजित यूनानी चिकित्सा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान डॉ. जितेन्द्र सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, राज्य मंत्री, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं

पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, श्री प्रमोद कुमार पाठक, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, हकीम सैय्यद खलीफतुल्ला, पूर्व उपाध्यक्ष, शासी निकाय, कै.यू.चि.अ.प. और प्रो. रईस-उर-रहमान, सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित थे।

समझौते ज्ञापन के अनुसार, अकादमिक चेयर अलग-अलग तरीकों की शैक्षिक और अनुसंधान गतिविधियों को अंजाम देगा। यह अकादमिक मानकों और लघु/मध्यम अवधि के पाठ्यक्रमों को डिज़ाइन करेगा, अनुसंधान गतिविधियों और नवाचारों को बढ़ावा देगा और यूनानी चिकित्सा से सम्बन्धित शिक्षण, अनुसंधान और नीति विकास में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने के माध्यम से संस्थान को अकादमिक नेतृत्व प्रदान करेगा। यह सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए अवसरों को खोजेगा, पूर्ण अध्ययन के परिणामों के प्रसार के लिए रणनीति तैयार करेगा, बांग्लादेश में यूनानी चिकित्सा के बारे में जानकारी के विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करेगा और कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन आयोजित करेगा। दोनों पक्षों ने सहमति दी कि प्रस्तावित अकादमिक चेयर यूनानी चिकित्सा पद्धति के सुरक्षित उपयोग का समर्थन करेगा, यूनानी चिकित्सा पर मौजूदा शैक्षिक/अनुसंधान कार्यक्रमों की पहचान करेगा, उनकी शक्ति और कमियों की जांच करेगा और इस संबंध में विश्वविद्यालय को जानकारी प्रदान करेगा।

...

सोशल मीडिया हेतु विषय-वस्तु विकास रणनीति पर कार्यशाला

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 15-16 जनवरी 2018 को आयुष सभागार, नई दिल्ली में सोशल मीडिया हेतु विषय-वस्तु विकास रणनीति पर दो दिवसीय कार्यशाला: लेवल - I का आयोजन किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन अनुसंधान गतिविधियों और सेवाओं की बेहतर पहुंच और प्रभावी प्रचार हेतु सोशल मीडिया की क्षमताओं का लाभ उठाने के लिए आयुष व्यवसायीगणों को विशेष कौशल और प्रशिक्षण देना था।

711 अकादमी, कोलकाता से कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति श्री संदीप बजाज और श्री नीरज हरलात्का ने आयुष पद्धतियों के विषय में सोशल मीडिया के औचित्य और महत्वता के बारे में बताया। कार्यशाला में डिजिटल विपणन, विषय-वस्तु के मूल को समझना, विषय-वस्तु के विभिन्न प्रकार और प्रारूप, विषय-वस्तु का अवलोकन, सिद्धांतों और लक्ष्यों की स्थापना, वेब और मोबाइल के लिए विषय-वस्तु रणनीति, विषय-वस्तु पर आधारित एक अभियान के लिए रणनीति तैयार करना और



श्री पी.एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, श्री संदीप बजाज और श्री नीरज हरलात्का, 711 अकादमी, कोलकाता और सोशल मीडिया हेतु विषय-वस्तु विकास रणनीति पर आयोजित कार्यशाला: लेवल - II के प्रतिभागी समूह फोटो के लिए पोज़ देते हुए। इस कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने 16-17 फरवरी 2018 को आयुष सभागार, नई दिल्ली में किया।

अपने उद्घाटन सम्बोधन में श्री पी. एन. रंजीत कुमार, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि सोशल मीडिया में आयुष औषधियों की सुरक्षा और गुणवत्ता के बारे में नकारात्मक धारणा से संबंधित आयुष पद्धतियों के सम्मुख चुनौतियों का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा कि आयुष औषधियों के विपणन, आयुष पद्धतियों को उनकी उचित पहचान दिलाने और आयुष मंत्रालय के अधीन अनुसंधान परिणामों और सरकार की पहल के बारे में सूचना देने और प्रसारित करने के लिए भी

इसका लाभ उठाया जा सकता है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने सोशल मीडिया के विषय-वस्तु और सामग्री को अधिक महत्व दिया और कहा कि सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग लोगों को आयुष पद्धति की ओर आकर्षित करेगा और इसकी दृश्यता में सुधार करेगा।

डॉ. आर.के. मनचन्दा, महानिदेशक, केन्द्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद्, डॉ. एन. श्रीकान्त, उप-महानिदेशक, केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, और

विषय-वस्तु लेखा परीक्षा और मूल्यांकन विषय शामिल थे।

दो दिवसीय कार्यशाला में आयुष मंत्रालय के अधीन सभी अनुसंधान परिषदों, राष्ट्रीय संस्थानों, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ और स्नातकोत्तर शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के आखिर में डॉ. गजाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

...

जनाद्रियाह 2018 में आयुष मंत्रालय

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 7-24 फरवरी 2018 के दौरान रियाद, सऊदी अरब में आयोजित राष्ट्रीय विरासत एवं संस्कृति महोत्सव (जनाद्रियाह-2018) में भाग लिया। दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक के अधीन नेशनल गार्ड द्वारा आयोजित इस महोत्सव में भारत 'विशिष्ट अतिथि राष्ट्र' था।



डॉ. अब्दुल रहीम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.अ.प. जनाद्रियाह-2018 में एक आगंतुक के साथ बातचीत करते हुए।

सऊदी अरब की संस्कृति और विरासत के समृद्ध चित्रयवनिता को दर्शाने वाले इस महोत्सव का उद्घाटन श्रीमति सुषमा स्वराज, माननीय विदेश मंत्री, भारत सरकार ने किया। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए श्रीमति सुषमा स्वराज ने जनाद्रियाह महोत्सव में भारत को 'विशिष्ट अतिथि राष्ट्र' का दर्जा दिये जाने पर सऊदी अरब को धन्यवाद दिया और कहा कि इस महोत्सव में भारत की भागीदारी से हमारे मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को प्रदर्शित करने का एक अच्छा अवसर मिला है।

इस अवसर पर लगाए गए भारतीय पैविलियन का विषय भारत के मूल मंत्रों और परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए 'सऊदी का दोस्त भारत' रखा गया था। जनाद्रियाह महोत्सव में भारतीय पैविलियन ने दर्शकों को सांस्कृतिक और आर्थिक दोनों क्षेत्रों में भारत के कौशल को परिलक्षित किया और सऊदी अरब के साथ भारत के संबंधों को सुदृढ़ बनाने में मदद की। पैविलियन में भारतीय परफ्यूम, बुनाई, अरबी हस्तलिपि,

पुस्तकों के साथ रियाद में दूतावास भवन की इमारत, योग परिसर, आयुष मंत्रालय हेतु अनुभाग और भारतीय उद्योगों (मेक इन इंडिया) की एक प्रदर्शनी जिसमें कुछ

मोटर वाहन, अंतरिक्ष एवं उपग्रह उद्योग, खाद्य एवं शस्त्र उद्योग को दर्शाया गया था, साथ ही एक थिएटर जहां पूरे उत्सव में कुछ भारतीय लोक नृत्य आयोजित किए गए, के लिए खंड बने हुए थे। पैविलियन ने भारत के कई पर्यटन स्थलों के साथ-साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और पारंपरिक प्रदर्शनी को भी प्रदर्शित किया जो भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दर्शाते हैं।

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के शोधकर्त्ताओं – डॉ. अब्दुल रहीम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) और डॉ. प्रदीप कुमार, अनुसंधान अधिकारी (पैथोलॉजी) ने 19-24 फरवरी के दौरान इस महोत्सव में आयुष मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने प्रतिभागियों, विशेषज्ञों और सऊदी अरब के शूरा परिषद् के कई सदस्यों से बातचीत की जो भारत की अनूठी विरासत जिसे इसकी प्राचीन चिकित्सा पद्धति के द्वारा दर्शाया गया था, को जानने के लिए उत्सुक थे। प्रतिनिधि मंडल ने आयुष चिकित्सा पद्धतियों के अभिप्रेत समाकलन हेतु बातचीत में बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

समग्र स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती पर राष्ट्रीय सम्मेलन

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के अनुसंधानकर्त्ताओं ने 22-24 मार्च 2017 को नई दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा विभाग, वर्द्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित समग्र स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

सम्मेलन का विषय 'शरीर, मन और आत्मा को एकीकृत करना' था। सम्मेलन में विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर वैज्ञानिक सत्र थे जिनमें 'समग्र स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती के मूल तत्त्व', 'समग्र और अध्यात्मिक स्वास्थ्य के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक आधार', 'अंतःविषय स्वास्थ्य विज्ञान', 'स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती में आयुष', और 'सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियां एवं अभ्यास' शामिल थे। डॉ. गजाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.

अ.प. 'स्वास्थ्य एवं तंदुरुस्ती में आयुष' पर आधारित सत्र में अध्यक्षों में से एक थीं। वैज्ञानिक मौखिक पेपर पर दूसरे सत्र की अध्यक्षता के.यू.चि.अ.प. की एक और अनुसंधानकर्त्ता डॉ. तमन्ना नाज़ली ने की।

देश के विभिन्न भागों से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। यह समग्र स्वास्थ्य को एक अंतःविषय दृष्टिकोण के रूप में पेश करने के लिए एक अच्छा मंच साबित हुआ।

आयुष पद्धतियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 20 जनवरी 2018 को एन.ए.एस.सी. कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए आयुष पद्धतियों पर एक उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।



नई दिल्ली में 20 जनवरी 2018 को आयुष चिकित्सा पद्धतियों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह का एक दृश्य।

पटना में हिन्दी कार्यशाला

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), पटना ने 21 मार्च 2018 को अपने दैनिक दिनचर्या के कार्यों में राजभाषा के उपयोग के बारे में अधिकारियों/कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला को प्रो. अलाउद्दीन, पूर्व सतीश कुमार तिवारी, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय उप-कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली; श्री आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान, पटना; श्री



क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, पटना में 21 मार्च 2018 को आयोजित हिन्दी कार्यशाला का एक दृश्य।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री रोशन जग्गी, संयुक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रो. रईस-उर-रहमान, सलाहकार (यूनानी) और डॉ. डी.सी. कटोच, सलाहकार (आयुर्वेद), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. एस. शाकिर जमील, पूर्व महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और विभिन्न आयुष पद्धतियों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया।

आयुष मंत्रालय के अधिकारियों को आयुष चिकित्सा पद्धतियों के संबंध में अनावरण प्रदान करने और उनके अन्दर दिन-प्रतिदिन के आधार पर निपटाये जाने वाले विषयों की बेहतर समझ पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी पर विशेषज्ञों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान दिये गए। दिनभर के प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आयुष पद्धतियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, बुनियादी अवधारणाओं, मौलिक सिद्धांतों, सामान्य शब्दावली और ज्ञान से अवगत कराया गया। ●●●

शहबाज़ अहमद, सहायक निदेशक (राजभाषा), प्रधान मुख्य आयुक्त आयकर कार्यालय (बिहार एवं झारखंड), पटना; और डॉ. मो. इश्तियाक आलम, अनुसंधान अधिकारी प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., पटना ने सम्बोधित किया। उन्होंने इस तथ्य पर बल दिया कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है और बिना किसी हिचकिचाहट के हमें गर्व से इसका उपयोग करना चाहिए।

श्री शहबाज़ अहमद, जो कार्यशाला में विशेषज्ञ थे, ने राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के बारे में बताया और प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने आधिकारिक और व्यक्तिगत कार्यों में सरल भाषा का उपयोग करने की सलाह दी।

कार्यशाला का समापन डॉ. मुमताज़ अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), क्षे.यू.चि.अ.सं., पटना के धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुति के साथ हुआ। संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया और लाभान्वित हुए। ●●●

के.यू.चि.अ.प. में विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का दौरा

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने क्रमशः 27 फरवरी और 1 मार्च 2018 को नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में ईरान और चीन के दो प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया। परिषद् ने दोनों अवसरों पर यूनानी चिकित्सा में अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए संवादात्मक सत्र का आयोजन किया।

चीनी प्रतिनिधिमंडल ने एक पावरपॉइंट प्रस्तुतिकरण दिया। के.यू.चि.अ.प. के अनुसंधानकर्त्ताओं ने अनुसंधान सहयोग हेतु संभावनाओं का पता लगाने, ज्ञान का आदान-प्रदान करने और सहक्रियाओं की प्राप्ति के उद्देश्य से दोनों पद्धतियों के सिद्धांतों और संकल्पनाओं के बीच समानता और असमानता को समझने के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तार से



परिषद् मुख्यालय में 1 मार्च 2018 को चीन के उईगर चिकित्सा के प्रतिनिधिमंडल के साथ संवादात्मक सत्र का एक दृश्य।

ईरानी प्रतिनिधिमंडल में डॉ. महमूद खोदादोस्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उप-प्रेसीडेंसी में पारंपरिक चिकित्सा कार्यालय के मंत्री एवं महानिदेशक सलाहकार और डॉ. आमिर मेहदी तालेब, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय के शिक्षा के उपाध्यक्ष के संकाय सदस्य शामिल थे। डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक प्रभारी एवं वरिष्ठ अधिकारी, के.यू.चि.अ.प. ने यूनानी चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और प्रचार करने के तरीकों को खोजने के लिए उनसे बातचीत की।

चीन के उईगर चिकित्सा के प्रतिनिधिमंडल के साथ संवादात्मक सत्र के दौरान डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक

प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. ने औपचारिक रूप से प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। डॉ. गजाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.अ.प. ने यूनानी चिकित्सा के मूल, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और वर्तमान स्थिति पर एक पावरपॉइंट प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने यूनानी चिकित्सा की बुनियादी अवधारणाओं, मौलिक सिद्धांतों और उपचार के सिद्धांतों को विस्तार से बताया और अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से इसकी वैज्ञानिक प्रगति में के.यू.चि.अ.प. की भूमिका और इस पद्धति की उन्नति में भारत के योगदान पर प्रकाश डाला। इसी प्रकार से उईगर चिकित्सा पर

बातचीत की।

चीनी प्रतिनिधिमंडल में ईमची उईगर चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे चार उईगर चिकित्सक शामिल थे। अबुलमीती एली, अनुसंधान और विकास निदेशक; मुतालिफु एलिआजी, मुख्य चिकित्सक; वुसिमान एली, अनुसंधानकर्त्ता एवं डॉक्टर; और आदिली अबुलमिती 26-28 फरवरी 2018 को अलीगढ़ में अजमल खान तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूनानी चिकित्सा – इल्मुल जराहत (सर्जरी) का पुनरीक्षण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए थे।

...

जामिया हमदर्द में राष्ट्रीय संगोष्ठी

यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संकाय, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने 6 मार्च 2018 को अपने कन्वेंशन सेंटर में यूनानी दिवस समारोह पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारत में यूनानी संस्थानों के अनुसंधानकर्त्ताओं और शैक्षणिक समुदाय के बीच संवाद का आयोजन किया।

संगोष्ठी का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र पाल गौतम, केन्द्रीय मंत्री, समाज कल्याण और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, दिल्ली सरकार ने किया। डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह को सम्बोधित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. सैयद एहतेशाम

हसनैन, उप-कुलपति, जामिया हमदर्द ने की। संगोष्ठी में यूनानी चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान प्रगति, आज की दुनिया में संघटित चिकित्सा की प्रासंगिकता, यूनानी मिश्रणों की प्रभावकारिता में वृद्धि और प्रचार इत्यादि पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. गजाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV ने यूनानी चिकित्सा पद्धति में अनुसंधान एवं विकास पर व्याख्यान दिया।



प्रो. सैयद एहतेशाम हसनैन जामिया हमदर्द में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. अनिल खुराना, महानिदेशक प्रभारी, के.यू.चि.अ.प. को यादगार भेंट करते हुए।

आई.सी.आर.एस.पी.एस.आर. - 2018 में भागीदारी

डॉ. के. वेंकटेशन, अनुसंधान अधिकारी (वनस्पति), क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई ने 23-25 मार्च 2018 को अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु में अन्नामलाई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पादप विज्ञान अनुसंधान में आधुनिक परिदृश्य - जलवायु परिवर्तन और इसके संबंधित बदलावों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आई.सी.आर.एस.पी.एस.आर. - 2018) में भाग लिया।

डॉ. वेंकटेशन ने 'भारत के केरल के वायनाड जिले के मुधुवन जनजातियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले जंगली फलों के एथनोबोटैनिकल दस्तावेजीकरण' शीर्षक पेपर प्रस्तुत किया। इसके अलावा उन्होंने एक विशेष व्याख्यान दिया। डॉ. वेंकटेशन को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति (मौखिक) पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं। सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर में प्रकाशित सामग्री को सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।

मुख्य संपादक

आसिम अली खान

कार्यकारी संपादक

मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति

नाहीद परवीन

गजाला जावेद

टी मैथिलगन

शबनम सिद्दीकी

संपादकीय कार्यालय

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
61-65, इंस्टीट्यूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058

दूरभाष: +91-11 / 28521981,
28525982, 28525983, 28525831,
28525852, 28525862, 28525883,
28525897, 28520501, 28522524

फैक्स: +91-11 / 28522965

ई-मेल: unanimedicine@gmail.com

वेबसाइट: <http://ccrum.res.in>

मुद्रण: इण्डिया ऑफसेट प्रेस, ए-1, इंडस्ट्रियल एरिया,
फेस-1, मायापुरी, नई दिल्ली-110064



CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 38 • Number 1

January–March 2018

Nation Celebrates Unani Day

The nation celebrated Unani Day on 11 February 2018 to commemorate birth anniversary of Hakim Ajmal Khan. The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), the apex body for research in Unani Medicine under the umbrella of the Ministry of AYUSH, Government of India, celebrated it in a big way and organized a host of events in the national capital city as this year marked 150th birth anniversary of Hakim Ajmal Khan.

Unani Day is celebrated on 11th February, the birthday of Hakim Ajmal Khan, a versatile genius and founder of scientific research in Unani Medicine. It started in 2017 in the wake of the milestone decision taken by the Ministry of

AYUSH to celebrate Unani Day on his birthday in recognition of his immense contribution to scientific research and development in Unani Medicine.

The Unani Day celebrations this year included organization of a

two-day International Conference on Unani Medicine, a ceremony for distribution of AYUSH Awards for Unani Medicine – 2017, release of a Special Postal Cover and Special Cancellation, release of 'Memoirs of Hakim Ajmal Khan', a photo



Dr. Jitendra Singh, Hon'ble Minister of State (IC), Ministry of Development of North Eastern Region, Government of India (third from right); and (left to right) Dr. Abdul Mannan, Vice Chancellor, Hamdard University, Bangladesh; Shri Roshan Jaggi and Shri Pramod Kumar Pathak, Joint Secretary, Ministry of AYUSH; Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM; Shri Masroor Ahmed Khan, President, Hakim Ajmal Khan Memorial Society; and Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH releasing the souvenir of International Conference on Unani Medicine on 10 February 2018 in New Delhi.



Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, Jamia Millia Islamia (centre); and (left to right) Shri Pramod Kumar Pathak, Joint Secretary, Ministry of AYUSH; Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM; Hakim Syed Khalifathullah, former Vice President, Governing Body, CCRUM; Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH; Shri Sujit Kumar Chowdhury, Postmaster General, Delhi Circle; and Dr. Vanitha R Murali Kumar, President, Central Council of Indian Medicine releasing Special Postal Cover with Special Cancellation on Unani Day in New Delhi on 11 February 2018.

biography on Hakim Ajmal Khan depicting various aspects of his multidimensional personality, and various other publications of the CCRUM. An exhibition of the latest developments taking place in different fields relating to Unani Medicine, manufacturers of herbal and natural products and promoters of health tourism was also organized. Besides, the CCRUM and Hamdard University, Bangladesh signed an MoU to establish an Academic Chair at the university for cooperation and collaboration in the area of research and development in Unani Medicine.

The international conference was inaugurated by Dr. Jitendra Singh, Hon'ble Minister of State (Independent Charge), Ministry of Development of North East Region,

Minister of State, Prime Minister's Office, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, Department of Atomic Energy & Department of Space, Government of India on 10 February. Inaugurating the conference, he pitched in for integration of traditional and conventional medicine systems that can play an important role in tackling lifestyle diseases which have become major health challenges in the country. He opined that all the physicians irrespective of system of medicine may be co-located for addressing the requirement of patients in holistic manner.

The Unani Day function and the ceremony for distribution of AYUSH Awards for Unani Medicine had Prof. Talat Ahmad, Vice Chancellor, Jamia Millia Islamia as

the chief guest. Addressing around 400 national and international delegates and resource persons from the USA, Israel, the UK, Portugal, China, Bangladesh, Sri Lanka, South Africa, Hungary, the UAE, Bahrain and Slovenia, he said that Hakim Ajmal Khan was a multidimensional personality and his contributions to the freedom movement, education, literature, social reform, and systemization of Unani Medicine had been immense.

Detailed report of Unani Day celebrations may be read in the already published Special Issue of the CCRUM Newsletter. The print version is available on request while the soft version may be accessed through weblink: <https://bit.ly/2KdFAPA>



CCRUM Signs MoU with Hamdard University, Bangladesh

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Hamdard University, Bangladesh to cooperate and collaborate in the area of research and development in Unani Medicine. Under this MoU, an Academic Chair for Unani system of medicine would be set up at the Faculty of Unani and Ayurvedic Medicine and Surgery of Hamdard University, Bangladesh.



Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM and Prof. Abdul Mannan, Vice Chancellor, Hamdard University, Bangladesh exchanging the signed copy of MoU for collaboration in the area of research and development in Unani Medicine on the occasion of Unani Day celebration on 10 February 2018 in New Delhi.

The MoU was signed by Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM and Prof. Md. Abdul Mannan, Vice Chancellor, Hamdard University, Bangladesh on the sideline of International Conference on Unani Medicine organized by the CCRUM at AP Shinde Symposium Hall,

NASC Complex, Pusa, New Delhi on 10 February 2018. Dr. Jitendra Singh, Hon'ble Minister of State (IC), Ministry of Development of North Eastern Region, Minister of State, Prime Minister's Office, Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions, Department of Atomic

Energy, and Department of Space, Shri Pramod Kumar Pathak, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India, Shri Roshan Jaggi, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India, Hakim Syed Khalifatullah, former Vice President, Governing Body, CCRUM and Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India were present during the MoU signing ceremony.

According to the MoU, the Academic Chair would undertake academic and research activities in different ways. It would design academic standards and short / medium term courses, promote research activities and innovations and provide academic leadership to the institution primarily through demonstrating and fostering excellence in teaching, research and policy development related to Unani system of medicine. It would also explore opportunities for collaborative research, formulate strategies for dissemination of results of completed studies, act as credible source of information about Unani Medicine in Bangladesh and conduct workshops / seminars / conferences. The two parties also agreed that the proposed Academic Chair would advocate safe use of Unani system of medicine in Bangladesh, identify existing academic / research programmes on Unani Medicine, examine their strength and gaps and provide inputs to the university in this regard.



Workshop on Content Development Strategy for Social Media

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized a two-day Workshop on Content Development Strategy for Social Media: Level-I during 15–16 January 2018 at AYUSH Auditorium, New Delhi. The workshop aimed to impart certain specialized skills and training to AYUSH professionals in order to exploit the potentials of social media platforms in better outreach and effective propagation of research activities and services under the Ministry of AYUSH, Government of India.

Harlalka, Resource Persons for the workshop from 711 Academy, Kolkata also spoke about the importance and relevance of social media in the context of AYUSH systems.

The workshop covered a plenty of topics including digital marketing, understanding the core of content, various types and formats of content, establishing content vision, principles and goals, content strategy for web and mobile, designing a campaign



Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Shri Sandeep Bajaj and Shri Niraj Harlalka, 711 Academy, Kolkata and participants of the Workshop on Content Development Strategy for Social Media: Level-II posing for a group photo. This workshop was organized by the Central Council for Research in Ayurvedic Sciences during 16–17 February 2018 in New Delhi.

In his inaugural address, Shri PN Ranjit Kumar, Joint Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India said that social media have the potential to tackle the challenges faced by AYUSH systems in terms of negative perception about safety and quality of AYUSH drugs. It can also be leveraged for marketing of AYUSH drugs, getting AYUSH systems their due recognition and disseminating information about research outcomes and government initiatives under the Ministry of AYUSH, he added.

Speaking on the occasion, Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM attached more importance to the content part of social media and opined that effective use of social media would attract people towards AYUSH systems and improve their visibility.

Dr. RK Manchanda, Director General, Central Council for Research in Homoeopathy, Dr. N Srikanth, Deputy Director General, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, and Shri Sandeep Bajaj and Shri Niraj

strategy based on content and content auditing and evaluation.

The two-day workshop was attended by over 40 participants representing all the research councils, national institutes, Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth and Institute of Post-Graduate Teaching and Research under the Ministry of AYUSH. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CCRUM and Coordinator for Social Media Activity, Ministry of AYUSH presented vote of thanks at the end of the workshop. ●●●

AYUSH in Janadriyah 2018

The Ministry of AYUSH participated in the National Festival of Heritage and Culture (Janadriyah - 2018) held in Riyadh, Saudi Arabia during 7–24 February 2018. India was the Guest of Honour Country for the event organized by the National Guard under the patronage of the Custodian of the Two Holy Mosques.



Dr. Abdul Raheem, Research Officer (Unani), CCRUM interacting with a visitor in Janadriyah - 2018.

The festival that exhibits Saudi Arabia's rich tapestry of culture and heritage was inaugurated by Smt. Sushma Swaraj, Hon'ble Minister of External Affairs, Government of India. Speaking at the inaugural function, Smt. Swaraj thanked Saudi Arabia for according the 'Guest of Honour' status to India at the Janadriyah festival and said that India's participation provides an opportunity to showcase our strong bilateral relationship.

Showcasing the core values and traditions of India, the Indian Pavilion mounted on the occasion was based on the theme '*Saudi ka Dost Bharat*'. The Indian pavilion at the Janadriyah festival reflected India's prowess in both cultural and economic spheres to the audience and facilitated in further strengthening of India's relations with Saudi Arabia. The pavilion

had corners for Indian perfumes, weaving, Arabic calligraphy and manuscripts, embassy building in Riyadh with several books, a Yoga complex, a section for Ministry of AYUSH and an exhibition of

Indian industries (Make in India) featuring some of the automotive, space and satellite industries, food and weapons industry, as well as a theater where some Indian folk dances were staged throughout the festival. The pavilion also showcased many tourist destinations in India as well as the cultural, social and traditional exhibits that reflect the rich culture and heritage of India.

Researchers from the CCRUM – Dr. Abdul Raheem, Research Officer (Unani) and Dr. Pradeep Kumar, Research Officer (Pathology) represented the Ministry of AYUSH at the event during 19–24 February 2018. They had interactions with participants and experts and several members of the Shura Council of Saudi Arabia who were enthusiastic to know about India's unmatched heritage represented by its ancient systems of medicine. The delegation actively participated in fruitful discussion regarding intended propagation of AYUSH systems.

Conference on Holistic Health & Wellness

Researchers from the Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) participated in the National Conference on Holistic Health & Wellness organized by the Department of Community Medicine, Vardhman Mahavir Medical College and Safdarjung Hospital, New Delhi during 22–24 March 2018 in New Delhi.

The conference was themed on 'Unifying Body, Mind and Spirit' and had scientific sessions on a variety of relevant subjects including 'Basics of Holistic Health & Wellness', 'AYUSH in Health and Wellness' and 'Public Health Policies and Practices'. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani), CCRUM was one the chairs in the session

on 'AYUSH in Health and Wellness'. Another Researcher of the CCRUM Dr. Tamanna Nazli chaired second session on scientific oral paper.

The conference was attended by more than 200 delegates from different parts of the country. It proved an excellent platform to present holistic health as an interdisciplinary approach. ●●●

Training Program on AYUSH Systems

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) organized an orientation cum training programme on AYUSH systems for administrative staff of the Ministry of AYUSH, Government of India on 20 January 2018 in New Delhi.



A view of the inaugural session of orientation cum training programme on AYUSH systems organized in New Delhi on 20 January 2018.

Hindi Workshop at Patna

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Patna organized a Hindi workshop on 21 March 2018 with a view to sensitizing the officials about the use of official language in their daily routine work.

The workshop was addressed by Prof. Alauddin, former Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi; Shri Satish Kumar Tiwari,



A view of Hindi workshop at RRIUM, Patna on 21 March 2018.

The training program was inaugurated by Shri Roshan Jaggi, Joint Secretary to the Government of India, Ministry of AYUSH in the presence of Prof. Rais-ur-Rahman, Advisor (Unani) and Dr. D C Katoch, Advisor (Ayurveda), Ministry of AYUSH, Government of India, Prof. Syed Shakir Jamil, former Director General, CCRUM and experts of different AYUSH systems.

Organized with the objective to provide exposure to officers of the Ministry of AYUSH regarding the AYUSH systems of medicine, the program had invited lectures on Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy. During the day-long training, the participants were exposed to the historical background, basic concepts, fundamentals, common terminologies and understanding of the different AYUSH systems. ●●●

Assistant Director, Regional Research Institute of Ayurveda, Patna; Shri Shahbaz Ahmad, Assistant Director (Official Language), Office of the Principal Chief Commissioner of Income Tax (Bihar & Jharkhand), Patna; and Dr. Mohd. Ishtiaque Alam, Research Officer Incharge, RRIUM, Patna. They emphasized the fact that Hindi is our mother tongue and instead of feeling hesitation we should use it proudly. Shri Shahbaz Ahmad, who was the resource person for the workshop, spelled out the provisions of the Official Languages Act and addressed queries of the participants. The workshop concluded with the vote of thanks proposed by Dr. Mumtaz Ahmad, Research Officer (Unani), RRIUM, Patna. All the officials of the institute participated in the workshop and benefited. ●●●

Foreign Delegations Visit CCRUM

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) welcomed two foreign delegations – one from Iran and the other from China – at its headquarters in New Delhi on 27 February and 1 March 2018 respectively. The Council organized interactive sessions on both occasions to explore opportunities for collaboration in the area of research and development in Unani Medicine.

was delivered by the Chinese delegation on Uyghur Medicine. Research Officers from the CCRUM had detailed interaction with the delegation to understand similarities and differences between the principles and concepts of the two systems in order to explore possibilities for research collaboration, exchange of knowledge and achieve synergies.



A view of the interactive session with the delegation of Uyghur Medicine from China at the CCRUM headquarters on 1 March 2018.

The Iranian delegation comprised Dr. Mahmoud Khodadoust, Advisor to the Minister and General Director of the Office of Traditional Medicine at Vice-Presidency of Science and Technology and Dr. Amir Mahdi Taleb, Faculty Member of Deputy for Education of Ministry of Health and Medical Education. Dr. Anil Khurana, Director General I/c, and senior officers of the CCRUM interacted with them in order to find ways to promote and propagate Unani system of medicine.

During the interactive session with the delegation of Uyghur

Medicine from China, Dr. Anil Khurana, Director General I/c, CCRUM formally welcomed the delegation. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CCRUM delivered a PowerPoint Presentation on the origin, historical background and current status of Unani Medicine. She elaborated on basic concepts, fundamentals and principles of treatment in Unani Medicine and highlighted contributions of India to the system and role of the CCRUM in its scientific advancement through research and development. Similarly, a PowerPoint Presentation

The Chinese delegation comprised four Uyghur practitioners representing Emchi Uyghur Medicine Research Center. Abulimiti Aili, Research and Development Director; Mutalifu Ailiaji, Chief Physician; Wusiman Aili, Researcher and Doctor; and Adili Abulimiti were here in India to attend the International Conference on Unani Medicine – Revisiting Ilmul Jarahat (Surgery) organized by Ajmal Khan Tibbiya College, Aligarh Muslim University during 26-28 February 2018 at Aligarh.



Seminar at Jamia Hamdard

The School of Unani Medical Education and Research, Jamia Hamdard, New Delhi organized a National Seminar on Unani Day Celebration: A Dialogue between Researchers and Academia of Unani Institutes in India at its Convention Centre on 6 March 2018.

The seminar was inaugurated by Shri Rajendra Pal Guatam, Cabinet Minister, Social Welfare and SC & ST, Government of NCT of Delhi who was the chief guest for the event. Dr. Anil Khurana, Director General, Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) addressed the inaugural function as the guest of honour. The seminar was presided over by Prof. Syed Ehtesham Hasnain,

Vice Chancellor, Jamia Hamdard.

The seminar had deliberations on research advances in various fields of Unani Medicine, relevance of regimen therapies in today's world, promotion and propagation of efficacy of Unani formulations, etc. Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV delivered a talk on research and development in Unani system of medicine. ●●●



Prof. Ehtesham Hasnain, Vice Chancellor, Jamia Hamdard presenting a memento to Dr. Anil Khurana, Director General, CCRUM during the seminar in New Delhi on 6 March 2018.

Participation in ICRSPSR – 2018

Dr. K Venkatesan, Research Officer (Botany), Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai participated in International Conference on Recent Scenario in Plant Science Research – Climate Change and its Associated Variations (ICRSPSR – 2018) organized by Annamalai University during 23–25 March 2018 in Annamalai Nagar, Tamil Nadu.

Dr. Venkatesan presented a paper entitled 'Ethnobotanical Documentation of Wild Fruits Use by Mudhuvan Tribes of Wayanad District, Kerala, India'. Besides,

he delivered a special lecture on 'Uses of Wild Medicinal Plants and their Status in Tamil Nadu'. He was honored with Best Paper Presentation (Oral) Award. ●●●

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the CCRUM Newsletter and such reproduction is not used for commercial purposes.

Editor-in-Chief

Asim Ali Khan

Executive Editor

Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board

Naheed Parveen

Ghazala Javed

T Mathiyazhagan

Shabnam Siddiqui

Editorial Office

CENTRAL COUNCIL FOR

RESEARCH IN UNANI MEDICINE

61-65, Institutional Area, Opp. 'D' Block, Janakpuri, New Delhi - 110 058 (India)

Telephone : +91-11/28521981, 28525982, 28525983, 28525831, 28525852, 28525862, 28525883, 28525897, 28520501, 28522524
Fax : +91-11/28522965

E-mail: unanimedical@gmail.com

Website: <http://ccrum.res.in>

Printed at: India Offset Press, A-1, Industrial Area, Phase - I, Mayapuri, New Delhi - 110064